प्रेस विज्ञप्ति

उ0प्र0 सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा राजकीय इंजीनियरिंग कालेज, कन्नौज के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

उ0प्र0 सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा वित्त पोषित तथा राजकीय इंजीनियरिंग कालेज, कन्नौज के तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की निदेशक प्रो0 रचना अस्थाना, कुलसचिव डा0 बी0डी0के0 पात्रों एवं मुख्य अतिथि प्रो0 गीतिका द्वारा विद्या की देवी मॉ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डा0 अरूण कुमार सिंह, सह संयोजक डा0 विवेक श्रीवास्तव, तथा श्री अभिषेक बाजपेई द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम जनपद के लगभग 150–170 छात्र–छात्राओं तथा स्टार्टअप के प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के शुभ अवसर पर संस्थान की निदेशक महोदया डा0 रचना अस्थाना द्वारा मुख्य अतिथि प्रो0 गीतिका राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, तथा विशिष्ट अतिथि प्रो0 जे0 राम कुमार आई0आई0टी0 कानपुर, का आभार व्यक्त किया।

उनके उद्बोधन में बताया, गया कि बौद्धिक सम्पदा किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा सृजित कोई संगीत, साहित्यिक कृति, कला, खोज, प्रतीक, नाम, चित्र, डिजाइन, कापीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेन्ट आदि को कहते हैं। जिस प्रकार कोई किसी भौतिक धन (फिजिकल प्रापर्टी) का स्वामी होता है, उसी प्रकार कोई बौद्धिक सम्पदा का भी स्वामी हो सकता है। इसके लिये बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रदान किये जाते हैं। आप अपने बौद्धिक सम्पदा के उपयोग का नियंत्रण कर सकते हैं और उसका उपयोग कर के भौतिक सम्पदा (धन) बना सकते हैं। इस प्रकार बौद्धिक सम्पदा के अधिकार के कारण उसकी सुरक्षा होती है और लोग खोज तथा नवाचार के लिये उत्साहित और उद्यत रहते हैं। बौद्धिक संपदा कानून के तहत, इस तरह बौद्धिक सम्पदा का स्वामीक अमूर्त संपत्ति के कुछ विशेष अधिकार दिया है, जैसे कि संगीत, वाद्ययंत्र साहित्य, कलात्मक काम, खोज और आविष्कार, शब्दों, वाक्यांशों, प्रतीकों और कोई डिजाइन. शब्द संपदा एवं शब्द संपत्ती एक दूसरे के समानार्थी शब्द हैं इसका तात्पर्य बुद्धि संबंधित या बुद्धि संबंधित से अर्थात बुद्धि अथवा मस्तिष्क द्वारा पैदा की गई या उत्पादित की गई वस्तु जिसे कोई व्यक्ति अपने बौद्धिक श्रम से उत्पादित करता है। उक्त कार्यक्रम में अंतर प्रदेशीय वैज्ञानिको तथा प्रोफेसरों ने अपने उद्बोधन दिये जिनका विवरण निम्न है।

निम्नलिखित व्याख्याताः–

1. श्री अंशु सिंह, आई0पी0आर0 ऑफीसर आई आई टी कानपुर।
2. श्री आशीष त्रिपाठी, निदेशक (शोध), बी0डी0एल0, हैदराबाद, भारत सरकार।
3. श्री भरत गोयल सह नियंत्रक, आई0पी0आर0 गुजरात सरकार।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना हेतु भारत सरकार की विशेष पहल पर बौद्धिक सम्पदा का अधिकार की संगोष्ठी द्वारा वर्तमान समाज में बौद्धिक सम्पदा एवं बौद्धिक सम्पदा के अधिकार की आवश्यकताओं को समझने का प्रयास किया गया। उक्त कार्यक्रम में संस्थान के समस्त संकाय सदस्य, शोधार्थी, स्टार्टअप प्रतिभागी एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

(मीडिया प्रभारी)
राजकीय इंजीनियरिंग कालेज,
कन्नौज

संस्थान के कुलसचिव डा0 बी0डी0के0 पात्रों, डा0 अरूण कुमार सिंह, डा0 विवेक श्रीवास्तव, श्री अभिषेक बाजपेई एवं मुख्य अतिथि प्रो0 गीतिका राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, ने विद्या की देवी मॉ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण किया।

डा0 अरूण कुमार सिंह, अधिष्ठाता (शैक्षिक) जी ने मुख्य अतिथि प्रो0 गीतिका मेम को मोमेंटो से पुस्कृत किया गया।

(मीडिया प्रभारी)
राजकीय इंजीनियरिंग कालेज,
कन्नौज